डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)
अमर उजाला माईसिटी
दिनांकः 11 सितम्बर, 2024 पृष्ठ संख्याः 03

तकनीकी बदलाव ने डिजिटल मीडिया को बनाया ताकतवर

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बदलते पत्रकारिता के आयाम विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के बतौर मुख्य वक्ता पत्रकारिता विभाग के पुरातन छात्र व लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार वैभव रहे। उन्होंने बताया कि तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को काफी ताकतवर बना दिया है।

उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता वर्तमान पत्रकारिता समय के साथ बदल रही है। खबरों की कवरेज का परिक्षेत्र भी काफी बढ़ गया है। इस स्थिति में पत्रकारों के समक्ष चुनौतियां बढ़ गई हैं। पत्रकारिता में स्वयं को निरंतर अपडेट करते रहने की आवश्यकता है। बताया कि प्रिंट मीडिया में कार्य कुशल लोगों के लिए बहुत ही अवसर है।

अवध विवि के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में आयोजित गोष्ठी में मौजूद विद्यार्थी। -विवि

कार्यक्रम की अध्यक्षता एमसीजे समंवयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने की। उन्होंने कहा कि मीडिया का क्षेत्र परिश्रम और सृजन का है। इसके लिए निरंतर अपडेट रहना होगा। शब्द संग्रह ही आपको लेखन में दिशा प्रदान कर सकते है। डॉ. अनिल कुमार विश्वा, आशु, गीताजंलि, प्रशांत, दिवाकर, तन्या, सृष्टि, शगुन, सौरभ, अनुश्री, एकता, विवेक सहित अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

दिनांकः 11 सितम्बर, 2024 पृष्ठ संख्याः 05

पत्रकारिता में निरंतर अपडेट करते रहने की जरूरतः वैभव

अवध विवि

- एमसीजे विभाग में 'बदलते पत्रकारिता के आयाम' विषयक संगोष्ठी
- मीडिया का क्षेत्र परिश्रम व सृजन काः डॉ. विजयेन्दु

अयोध्या, संवाददाता। डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्विवद्यालय के एलुमिनाई वरिष्ठ पत्रकार वैभव तिवारी ने कहा कि वर्तमान पत्रकारिता समय के साथ बदल रही है। तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को काफी ताकतवर बना दिया है। उन्होंने कहा कि अब खबरों की कवरेज का परिक्षेत्र भी काफी बढ़ गया है। इस स्थिति में पत्रकारों के समक्ष चुनौतियां बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में स्वयं को निरंतर अपडेट करते रहने की जरूरत है। यह बातें वरिष्ठ पत्रकार तिवारी ने मंगलवार को अवध विवि के एमसीजे विभाग में 'बदलते पत्रकारिता के आयाम' विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता कही। संचालन डॉ. आरएन पाण्डेय एवं डॉ. अनिल कुमार विश्वा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान आशु, गीताजंलि, प्रशांत, दिवाकर, तन्या, सृष्टि, शगुन, सौरभ, अनुश्री, एकता, विवेक, आदर्श, अदिति, उत्तम ओझा, श्रेया, हरिकृष्ण, मानसी, साम्भवी, सोनिका व अन्य मौजूद रहीं।

अमृत विचार

दिनांकः 11 सितम्बर, 2024 पृष्ठ संख्याः 03

मीडिया का क्षेत्र परिश्रम और सृजन का : डॉ. विजयेन्दु

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : मीडिया का क्षेत्र परिश्रम और सृजन का है। इसके लिए निरंतर अपडेट रहना होगा। शब्द सग्रह ही आपको लेखन में दिशा प्रदान कर सकते है। ये बातें एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने मंगलवार को कहीं। वह डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बदलते पत्रकारिता के आयाम विषय पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्य वक्ता पत्रकारिता विभाग के पुरातन छात्र एवं दैनिक भास्कर लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार वैभव तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता समय के साथ बदल रही है। तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को काफी ताकतवर बना दिया है। खबरों की कवरेज का परिक्षेत्र भी काफी बढ़ गया है। पत्रकारिता में स्वयं को निरंतर अपडेट करते रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरएन पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनिल कुमार विश्वा द्वारा किया गया। इस अवसर पर आशु, गीताजंलि, प्रशांत, दिवाकर, तन्या, सृष्टि, शगुन, सौरभ, अनुश्री, एकता, विवेक, आदर्श, अदिति, उत्तम ओझा, श्रेया, हरि कृष्ण, मानसी, साम्भ्वी, सोनिका सहित अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वतंत्र चेतना

दिनांकः 11 सितम्बर, 2024 पृष्ठ संख्याः 03

तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को ताकतवर बना दिया : वैभव

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बदलते पत्रकारिता के आयाम विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी के बतौर मुख्य वक्ता पत्रकारिता विभाग के पुरातन छात्र एवं वरिष्ठ पत्रकार वैभव तिवारी रहे। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता वर्तमान पत्रकारिता समय के साथ बदल रही है। तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को काफी ताकतवर बना दिया है। खबरों की कवरेज का परिक्षेत्र भी काफी बढ़ गया है। इस स्थिति में पत्रकारों के समक्ष चुनौतियां बढ गई है। पत्रकारिता में स्वयं को निरंतर अपडेट करते रहने की आवश्यकता है। संगोष्ठी में उन्होंने बताया कि प्रिंट मीडिया में कार्य कुशल लोगों के लिए बहुत ही अवसर है। नियमित रूप से समाचार-पत्रों का पाठन एवं उसमें हो रहे भाषाई प्रयोग को समझते रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफार्म पर भी कार्य करने के अवसरों की कोई कमी नही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमसीजे समन्वयक डा0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने की। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि मीडिया का क्षेत्र परिश्रम और सृजन का है। इसके लिए निरंतर अपडेट रहना होगा। संचालन डा0 आरएन पाण्डेय व धन्यवाद ज्ञापन डा0 अनिल कुमार विश्वा ने किया। इस अवसर पर आशु, गीताजंलि, प्रशांत, दिवाकर, तन्या, सृष्टि, शगुन, सौरभ, अनुश्री, एकता, विवेक, आदर्श, अदिति, उत्तम ओझा, श्रेया, हरि ष्ण, मानसी, साम्भ्वी, सोनिका सहित अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बस्ती की पुकार

दिनांकः 11 सितम्बर, 2024 पृष्ठ संख्याः 04

तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को ताकतवर बना दियाः- वैभव तिवारी

मीडिया का क्षेत्र परिश्रम और सृजन का :– डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी

पत्रकारिता विभाग में बदलते पत्रकारिता के आयाम विषय पर संगोष्ठी

बस्ती की पुकार

अयोध्याः– डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बदलते पत्रकारिता के आयाम विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्टी के बतौर मुख्य वक्ता पत्रकारिता विभाग के पुरातन छात्र एवं दैनिक भास्कर लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार वैभव तिवारी रहे। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता वर्तमान पत्रकारिता समय के साथ बदल रही है। तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को काफी ताकतवर बना दिया है। खबरों की कवरेज का परिक्षेत्र भी काफी बढ़ गया है। इस

स्थिति में पत्रकारों के समक्ष चुनौतियां बढ गई है। पत्रकारिता में स्वयं को निरंतर अपडेट करते रहने की आवश्यकता है। संगोष्ठी में उन्होंने बताया कि प्रिंट मीडिया में कार्य कुशल लोगों के लिए बहुत ही अवसर है। नियमित रूप से समाचार–पत्रों का पाठन एवं उसमें हो रहे भाषाई प्रयोग को समझते रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफार्म पर भी कार्य करने के अवसरों की कोई कमी नही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने की। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि मीडिया का क्षेत्र परिश्रम और सृजन का है। इसके लिए निरंतर अपडेट रहना होगा। शब्द सग्रह ही आपको लेखन में दिशा प्रदान कर सकते है। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 आरएन पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अनिल कुमार विश्वा द्वारा किया गया। इस अवसर पर आशु, गीताजंलि, प्रशांत, दिवाकर, तन्या, सृष्टि, शगुन, सौरभ, अनुश्री, एकता, विवेक, आदर्श, अदिति, उत्तम ओझा, श्रेया, हरि कृष्ण, मानसी, साम्भवी, सोनिका सहित अन्य छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा

दिनांकः 11 सितम्बर, 2024 पृष्ठ संख्याः 03

तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को बनाया ताकतवर

अयोध्या (एसएनबी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बदलते पत्रकारिता के आयाम विषय पर संगोष्ठी हुई। इस संगोष्टी के बतौर मुख्य वक्ता पत्रकारिता विभाग के पुरातन छात्र एवं लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार वैभव तिवारी रहे।

उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता समय के साथ बदल रही है। तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को काफी ताकतवर बना दिया है। खबरों की कवरेज का परिक्षेत्र भी काफी बढ़ गया है। इस स्थिति में पत्रकारों के समक्ष चुनौतियां बढ़ गई हैं। पत्रकारिता में स्वयं को निरंतर अपडेट करते रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रिंट मीडिया में कार्यकुशल लोगों के लिए बहुत ही अवसर है। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी ने की। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि मीडिया का क्षेत्र परिश्रम और सृजन का है। इसके लिए निरंतर अपडेट रहना होगा।

आज

दिनांकः 11 सितम्बर, 2024 पृष्ठ संख्याः 09

पत्रकारिता के आयाम विषय पर संगोष्ठी

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बदलते पत्रकारिता के आयाम विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी के बतौर मुख्य वक्ता पत्रकारिता विभाग के पुरातन छात्र एवं दैनिक भास्कर लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार वैभव तिवारी रहे। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता वर्तमान पत्रकारिता समय के साथ बदल रही है। तकनीकी बदलावों ने डिजिटल मीडिया को काफी ताकतवर बना दिया है। खबरों की कवरेज का परिक्षेत्र भी काफी बढ़ गया है। इस स्थिति में पत्रकारों के समक्ष चुनौतियां बढ गई है। पत्रकारिता में स्वयं को निरंतर अपडेट करते रहने की आवश्यकता है। संगोष्ठी में उन्होंने बताया कि प्रिंट मीडिया में कार्य कुशल लोगों के लिए बहुत ही अवसर है। नियमित रूप से समाचार–पत्रों का पाठन एवं उसमें हो रहे भाषाई प्रयोग को समझते रहने की आवश्यकता है।